विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र

"एक नाम, एक पहचान, एक संकल्प"

विभायन

VIBHAYAN

SCAN ME

226 स्थानों पर भव्य आयोजन

8,986 पूर्व छात्रों की सक्रिय भागीदारी

एक नई पहल, एक नया संकल्प

प्रस्तावना

पूर्वोत्तर क्षेत्र में विद्या भारती के विभिन्न नामों से संचालित विद्यालयों से शिक्षा प्राप्त कर चुके पूर्व छात्र आज समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

इन सभी पूर्व छात्रों को एक समान पहचान देने एवं उन्हें संगठन से जोड़ने के उद्देश्य से

"विभायन"

नाम का उद्भव हुआ।

यह केवल एक नाम नहीं, बल्कि एक विचार है—
संगठन, समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पण का विचार।

नामकरण की पृष्ठभूमि

दिनांक 22 एवं 23 नवम्बर 2025 को अरुणाचल प्रदेश में आयोजित क्षेत्रीय कार्यकारिणी बैठक में यह निर्णय लिया गया कि-
पूर्व छात्र एक ही नाम से समाज में परिचित हों।

इस उद्देश्य से **"विभायन"** (विद्या भारतीयन) नाम पर सर्वसम्मति बनी।

यह नाम पूर्व छात्रों की साझा पहचान और संगठनात्मक एकता का प्रतीक है।

प्रचार-प्रसार

"विभायन" नाम को जन-जन तक पहुँचाने हेतु क्षेत्र प्रचार विभाग द्वारा-

- विभिन्न प्रकार के पोस्टर जारी किए गए
- वीडियो सामग्री तैयार की गई
- पत्रकार वार्ता आयोजित की गई

इन प्रयासों से **"विभायन"** एक अभियान के रूप में स्थापित हुआ।

'Prakton Chhatra Bharati Divas' to be Observed

Guwahati, Jan 20: Prakton Chhatra Bharati, the alumni organisation of Vidya Bharati Akhil Bharatiya Shiksha Sansthan, has decided to observe January 23 every year as 'Prakton Chhatra Bharati Divas' starting from this year. The day will be commemorated in alignment with the birth anniversary of the great freedom fighter Netaji Subhas Chandra Bose, also celebrated nationally as Parakram Diwas.

On this occasion, various educational, cultural and value-based programmes focusing on Netaji's ideals of patriotism, sacrifice, courage and national consciousness will be organised across all Shankardev Shishu Vidya Niketans under Vidya Bharati in Assam and the entire Purvottar Kshetra .

A major decision was also announced that all present students and former students of Shankardev Shishu Vidya Niketans will henceforth be collectively identified by the common identity 'Vibhayan'. This identity is intended to reflect the unified values of discipline, cultural ethos, moral education and nationalism promoted by Vidya Bharati Akhil Bharatiya Shiksha Sansthan.

These decisions were formally announced at a press meet held at Prakashan Bharati, Zoo Road, Guwahati. The speakers included Mr. Mriganka Sharma, Uttar Assam Prant Sanyojak, Ms. Swapna Devi Sharma, Purvottar Kshetra Sanyojika, and Mr. Gaurav Kalita, Uttar Assam Prant Prabhari of Prakton Chhatra Bharati.

Elaborating on the significance of the 'Vibhayan' identity, Mr. Rinku Kalita stated that it would serve as a proud and unified representation of Vidya Bharati's educational philosophy, fostering a strong sense of organisational unity and national commitment among students and alumni.

According to Prakton Chhatra Bharati, this initiative will further strengthen organisational bonding among present and former students and ensure their active and responsible participation in social service and nation-building.

Prant Prachar Sanyojak Mukuteshwar Goswami informed that, in connection with the centenary celebrations of the Rashtriya Swayamsevak Sangh (RSS), alumni conventions will also be organised during the year across more than 100 Shankardev Shishu Vidya Niketans in Assam.

'প্ৰাক্তন ছাত্ৰ ভাৰতী দিৱস'ৰ প্ৰস্তুতি

'আমাৰ অসম'ৰ মহানগৰ বাৰ্তা, ২০ জানুৱাৰী ঃ বিদ্যা ভাৰতী অখিল ভাৰতীয় শিক্ষা সংস্থানৰ প্ৰাক্তন ছাত্ৰ সংগঠন প্ৰাক্তন ছাত্ৰ ভাৰতীৰ উদ্যোগত এই বছৰৰ পৰা প্ৰতিবছৰে ২৩ জানুৱাৰী দিনটো 'প্ৰাক্তন ছাত্ৰ ভাৰতী দিৱস' হিচাপে উদযাপন কৰাৰ সিদ্ধান্ত গ্ৰহণ কৰা হৈছে। স্বাধীনতা সংগ্ৰামৰ মহান নেতা নেতাজী সুভাষ চন্দ্ৰ বসুৰ জন্ম জয়ন্তী তথা পৰাক্ৰম দিৱসৰ সৈতে সংগতি ৰাখি এই বিশেষ দিৱসটো পালন কৰা হ'ব। এই উপলক্ষে অসমৰ লগতে সমগ্ৰ উত্তৰ-পূৰ্বাঞ্চলত বিদ্যা ভাৰতী অখিল ভাৰতীয় শিক্ষা সংস্থানৰ অধীনস্থ সকলো শংকৰদেৱ শিশু বিদ্যা নিকেতনসমূহত নেতাজীৰ আদৰ্শ, দেশভক্তি, আত্মত্যাগ, শৌৰ্য আৰু ৰাষ্ট্ৰীয় চেতনাক কেন্দ্ৰ কৰি বিভিন্ন শিক্ষামূলক, সাংস্কৃতিক আৰু মূল্যবোধমূলক কাৰ্যসূচী ৰূপায়ণ কৰা হ'ব। ইয়াৰ লগতে এক গুৰুত্বপূৰ্ণ সিদ্ধান্ত হিচাপে ঘোষণা কৰা হৈছে যে, শংকৰদেৱ শিশু বিদ্যানিকেতনসমূহত অধ্যয়ন কৰি থকা বৰ্তমানৰ সকলো ছাত্ৰ-ছাত্ৰী আৰু ইতিমধ্যে শিক্ষা সম্পূৰ্ণ কৰা সকলো প্ৰাক্তন ছাত্ৰ-ছাত্ৰী এতিয়াৰে পৰা একেলগে "বিভায়ন" নামেৰে পৰিচিত হ'ব। এই সিদ্ধান্তসমূহ সংবাদ মাধ্যমৰ আগত অৱগত কৰিবলৈ আজি গুৱাহাটীৰ প্ৰকাশন ভাৰতী, জু ৰোডত অনুষ্ঠিত এখন প্ৰেছ মিটত বক্তব্য প্ৰদান কৰে প্ৰাক্তন ছাত্ৰ ভাৰতীৰ উত্তৰ অসম প্ৰান্তৰ সংযোজক মৃগাঙ্ক শৰ্মা, পূৰ্বোত্তৰ ক্ষেত্ৰৰ সংযোজিকা স্বপ্না দেৱী শৰ্মা আৰু উত্তৰ অসম প্ৰান্তৰ প্ৰভাৰী গৌৰৱ কলিতা। এই সময়ত ৰিংকু কলিতাই 'বিভায়ন' পৰিচয়ৰ তাৎপৰ্য ব্যাখ্যা কৰি কয় যে— এই পৰিচয়ে বিদ্যা ভাৰতী অখিল ভাৰতীয় শিক্ষা সংস্থানৰ শিক্ষা-দৰ্শন, শৃংখলা, সংস্কাৰ আৰু ৰাষ্ট্ৰভক্তিৰ এক ঐক্যবদ্ধ আৰু গৌৰৱময় পৰিচয় গঢ়ি তুলিব। প্ৰাক্তন ছাত্ৰ ভাৰতীৰ মতে, এই পদক্ষেপে বৰ্তমান আৰু প্ৰাক্তন ছাত্ৰ-ছাত্ৰীসকলৰ মাজত সংগঠনমূলক একতা অধিক দৃঢ় কৰাৰ লগতে সমাজ আৰু ৰাষ্ট্ৰ গঠনত তেওঁলোকৰ সক্ৰিয় আৰু দায়িত্বশীল অংশগ্ৰহণ নিশ্চিত কৰিব। প্ৰান্ত প্ৰচাৰ সংযোজক মুকুটেশ্বৰ গোস্বামীয়ে জানিবলৈ দিয়ে যে, ৰাষ্ট্ৰীয় স্বয়ংসেৱক সংঘৰ শতবৰ্ষ উদযাপনৰ সৈতে সংগতি ৰাখি অসমত থকা শতাধিক শংকৰদেৱ শিশু বিদ্যা নিকেতনসমূহত বছৰটোৰ ভিতৰত প্ৰাক্তন ছাত্ৰ সন্মিলনীও আয়োজন কৰা হ'ব।

पूर्व छात्र भारती दिवस 23को

गुवाहाटी, 20 जनवरी (ख.सं.)। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के पूर्व छात्र संगठन पूर्व छात्र भारती की पहल पर इस वर्ष से प्रतिवर्ष 23 जनवरी को पूर्व छात्र भारती दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है। यह दिवस महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती एवं पराक्रम दिवस के साथ सामंजस्य रखते हुए मनाया जाएगा। इस अवसर पर असम सहित समूचे पूर्वोत्तर क्षेत्र में विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के अंतर्गत संचालित सभी शंकरदेव शिशु विद्या निकेतनों में नेताजी के आदर्शों, देशभक्ति, आत्मत्याग, शौर्य और राष्ट्रीय चेतना को केंद्र में रखते हुए विविध शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं मूल्य-आधारित कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। इसके साथ ही एक महत्वपूर्ण निर्णय के रूप में यह भी घोषणा की गयी है कि शंकरदेव शिशु विद्या निकेतनों में अध्ययनरत सभी वर्तमान छात्र-छात्राएं तथा शिक्षा पूर्ण कर चुके सभी पूर्व छात्र-छात्राएं अब संयुक्त रूप से विभायन नाम से परिचित होंगे। इन निर्णयों की जानकारी मीडिया को देने के लिए आज गुवाहाटी के जूरोड स्थित प्रकाशन भारती में आयोजित एक प्रेस मीट में पूर्व छात्र भारती के उत्तर असम प्रांत संयोजक मृगांक शर्मा, पूर्वोत्तर क्षेत्र की संयोजिका स्वप्ना देवी शर्मा तथा उत्तर असम प्रांत के प्रभारी गौरव कलिता ने संबोधन किया। इस अवसर पर रिंकू कलिता ने विभायन पहचान के महत्व को स्पष्ट करते हुए कहा कि यह पहचान विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान की शिक्षा-दर्शन, अनुशासन, संस्कार एवं राष्ट्रभक्ति की एकता और गौरव को सुदृढ़ करेगी। पूर्व छात्र भारती के अनुसार, यह पहल वर्तमान एवं पूर्व छात्रों के बीच संगठनात्मक एकता को और मजबूत करेगी तथा समाज और राष्ट्र निर्माण में उनकी सक्रिय एवं जिम्मेदार भागीदारी सुनिश्चित करेगी। प्रांत प्रचार संयोजक मुकुटेश्वर गोस्वामी ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में असम के सौ से अधिक शंकरदेव शिशु विद्या निकेतनों में वर्ष भर पूर्व छात्र सम्मेलनों का भी आयोजन किया जाएगा।

विभायन दिवस का संकल्प

23 जनवरी 2026, नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती के पावन अवसर पर— पूर्वोत्तर क्षेत्र में **"विभायन दिवस"** (पूर्व छात्र दिवस) मनाने का संकल्प लिया गया।

इस दिन को पूर्व छात्रों के एकीकरण और प्रेरणा के रूप में स्थापित किया गया।

कार्यक्रम की झलक

इस ऐतिहासिक पहल को सफल बनाने हेतु—

- सभी प्रांतों और विद्यालयों को सूचना भेजी गई
- प्रत्येक विद्यालय को सहभागिता हेतु प्रेरित किया गया

कार्यक्रमों में-

- पूर्व छात्रों ने अपने अनुभव साझा किए
- वर्तमान छात्रों को मार्गदर्शन दिया
- समाज के प्रति दायित्वों पर प्रकाश डाला

उपलब्धियाँ

पूर्व छात्र परिषदों की सक्रियता के परिणामस्वरूप—

- **226** स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित
- कुल **8,986** पूर्व छात्र सहभागी बने

यह सहभागिता **"विभायन"** की सफलता और प्रभाव को दर्शाती है।

निष्कर्ष

“विभायन” केवल एक नाम नहीं— यह एक संकल्प है।

- संगठन से जुड़ने का
- समाज सेवा का
- राष्ट्र निर्माण में योगदान का

आज पूर्व छात्र, वर्तमान छात्र और संगठन तीनों मिलकर एक नई दिशा में अग्रसर हैं।

“विभायन”
एकता, पहचान और राष्ट्र निर्माण का अभियान

SCAN HERE!

Register Now & Connect with Vidya Bharati Alumni